

ज्ञान मंथन

- 1) हाल ही में चर्चा में रहा कामचटका प्रायद्वीप कहां स्थित है ?
- 2) युवा सहकार योजना किस संगठन द्वारा लागू की गई है ?
- 3) रणधंधीर टाइगर रिजर्व किस दो पर्वत श्रृंखलाओं के संगम पर स्थित है ?
- 4) मुद्रा का कागज किससे बना होता है ?
- 5) कोझा रेमादेवी, जो समाचारों में देखी गई थी, किस प्रजाति से संबंधित है ?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) रूस (2) नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (3) अरावली और विंध्याचल (4) 100 प्रतिशत रूई (5) मछली

वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम को लेकर कांग्रेसजनों में उत्साह : गेंदू

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। केन्द्र की मोदीनीत भाजपा सरकार की जनविरोधी व लोकतंत्र विरोधी नीतियों के खिलाफ अखिल भारतीय

[illegible]

नांदगांव टाइम्स

नेशनल लोक अदालत में 27 हजार 152 लॉबित प्रकरण का हुआ निराकरण

4 करोड़ 82 लाख 51 हजार 533 रूपए से संबंधित वाद का किया गया निराकरण , नेशनल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन

[illegible]

भाजपा के प्रकरण, समस्त प्रकार के व्यवहार मोटर प्रकरण, वाद दुर्घटना से उत्पन्न सेवा प्रकरण, कुटुंब न्यायालय में लंबित वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण, इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व वाद प्रकरण) यथा बिजली बिल, दुराध्या, बैंक लोन, जलकर से संबंधित प्रकरण रखे गए हैं। उल्लेखनीय है कि नेशनल लोक अदालत के छहखंडीत क्रमांक 01 में प्रधान जिला सेक्रेटरी एवं न्यायाधीश श्रीमती सरण्याभा अवजय दुर्दे

द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में कुल 16,40,000 रुपये की अवाई राशि पारित की गई। खण्णपीठ क्रमांक 02 पत्रिका न्यायालय कबीरधाम में पीठसीन अधिकारी श्री लीलाधर साहू की द्वारा पत्रिका न्यायालय में वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण में कुल 30 प्रकरण का निराकरण करते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता स्थापित करते हुए सुखद दाम्पत्य गया। खण्णपीठ क्रमांक 03 गौरी योगिता विनय वासनिक कुल 66,87,26 रुपये की

पिपा को वसुन्ती करत हुए प्रकरण को निराकरण किय ग्या। इसी अनुक्रम में राज्य न्यायालय में कुल 20,372 वसुन्ती कर को निराकरण करत हुए, 4,964 तथापनिवत डिमाण्डाई को कुल रु. 3,93,61,343 रूपये को निवृत्त किय ग्या। इनकर प्रजाति न्यायालय कारकरीमाप द्वा उक अलतल अवतलत में बैरिफिक करतल 30 प्रकरण को निराकरण करत हुए रु. 36,56,450 रूपये को निराकरण, सिविल मामले में कुल 04 प्रकरण को निराकरण करत हुए रु.80,00,000 रूपये, राज्य न्यायालय द्वा 20,372 प्रकरण को निराकरण करत हुए रु.39,93,61,343 रूपये को निराकरण, नगर पालिका द्वाा अकरक से संबन्धित मामले में 220 प्रकरण में 2,41,164 रूपये तथा बोरोपरामुल में 45 प्रकरण को निराकरण करत हुए रु.48,850 रूपये को वसुन्ती को हान। इन प्रकर इद को अलत अवतलत में कुल 27,152 लोड प्रकरण को निराकरण करत हुए रु. 48,82,51,533 रूपये से संबन्धित वाद कारिफाकरण किय ग्या।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कवर्धा के कृषि सुंगेली जिले के निकटस्थ ग्राम पंचायत कोदवा केन्द्र, दुकानों का किया औचक निरीक्षण बानी में शारदीय नवरात्रि अश्विन मास के

कलेक्टर ने किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद विक्रय करने के लिए निर्देश

शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होगी



प्रमाणित सिद्धि ज्ञान
कबीरदासजी (संत) टाऊन)।
 कलेक्टर गोपाल चामे ने छाप
 और प्रकाशित और प्रमाणित करने दिए आप
 कबीर दास के छात्र-विषय कवि-कर्म
 और दुकानों का अकादमिक निरीक्षण किया।
 निरीक्षण ने निरीक्षण के दौरान मानवीय जीव
 भंडार के मूलकों में उर्वरकों को उपलब्धता
 मान्य सूची और विवरण व्यवस्था को
 बारीकी से जांचा। उन्होंने मानवीय जीव
 भंडार में छात्र लेते आए जानकी में से सौधे
 चर्चा का कविता को स्थिति जानी और सीधे
 मूल्य पर उपलब्धता को पुष्टि की। निरीक्षण
 के दौरान कलेक्टर ने निरीक्षण को आभार

स्थिति न हो। उन्होंने विक्रेताओं को से का कि किसानों को निर्धारित दरों पर ही ख़ा उपलब्ध कराई जाए, और किसी भी प्रकार की जमाखोरी या अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कैलेक्टर श्री वर्मान ने स्टॉक रजिस्ट्रार का मिलान किया और वहां उपस्थित स्टॉक से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ख़ादने और किसानों से संबंधित जानकारी मूल्य, उपलब्धता और विवरण प्रणाली के संबंध में उनकी राय ली और संतुष्टि सुनिश्चित की। इस दौरान एसडीएम श्री चेतन साहू, तहसीलदार परमेश्वर मंडाव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किसानों से किये

सोधा समाद
कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि किसानों को खाद-बीज की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने किसानों से सोधा संवाद किया और खाद खरीदी की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से अपील की कि यदि किसान दुकान में अनियमितता पाई जाती है, तो तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें। सभी शिकायतों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाएगी।



की और अंतिम तीन सरस्वती माँ की पूजा होती है। माँ के इस दिव्य रूप के दर्शन से मन, धन और रूप के मन पवित्र हो जाते हैं। उनकी कृपा से भय का नाश होता है और जीवन में शान्ति का संचार होता है। शारदीय कंवार नवरात्रि महोत्सव 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक आयोजित है। नवरात्रि महोत्सव के लिए शैलपुत्री माँ महामाया मंदिर कोटवा बानी एवं श्री सिद्ध शक्ति पीठ माँ महामाया मन्दिर पेंड्रीडोह द्वारा विशेष तैयारी का ज़रूरी है। मनोकामना तेल ज्योति प्रखरित हेतु शैलपुत्री महामाया मन्दिर

कादबा बानी
तेल ज्योति कलस 751/?
मनोकामना घृत एवं तेल ज्योति
ज्वलित हेतु श्री सिद्ध शक्ति पीठ माँ
महामाया मन्दिर पेंड्रीडोह
घृत ज्योति कलस 2151/?
तेल ज्योति कलस 751/?
जगत जननी माता जगदम्बा आप सभी
के जीवन में शक्ति, समृद्धि और शांति का
संचार करें।

परामर्श दात्री समिति की बैठक में सम्मिलित हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ

परमपूज्य विवेक चरण
कबीरदास (नंददास टाडम)। स्वास्त्ये विष्णु में लौकिक भागों को लेकर जिला अग्रज आशोक इंदरिया जी ने परमपूज्य जिला समिति के समन निम्न विषय को अवगत कराया जिसमें से मुख्य भाग यह है, विगत तीन वर्षों से विभागाध्यक्ष परमपूज्य दशो समिति को बैठक मारने में विफल होना जिस कारण स्वास्त्ये विष्णु के कर्मचारियों को समझायाओं का परिणाम नहीं आ रहा है। परमपूज्य जिला के बैठक आयोग करारा जा ताकि कर्मचारियों को समझायाओं का परिणाम विष्णु भाग कर रहे हैं। पर किया जा सके। विष्णु में कार्यरत तुलसी ब्रेजी कर्मचारियों का सत्र वर्ष वरिष्ठता सूची जारी नहीं किया गया है अतः सत्र वर्ष का वरिष्ठता सूची जारी कर प्रमोशन करने को कर्मचारियों के विषय प्रज्ञा द्वाया उचित सिद्ध हो अनुमति प्रदान करने प्रमोशन करने को कार्यवाही। जिला विधायकसावय में कार्यरत जीवनदीप समिति कर्मचारियों को कलेक्टर द. पर निगमिंदर दशो नहीं दिया जा है महीना दश से केवल 22 कर्मचारी जिला विधिकालाल में कार्य किया जाता है उसको कलेक्टर द. पर भुगनात हो कार्यवाही करने के लिए मांग की गई। महीना प्रिथ्या महीने रविप्रसाथम सत्र एम सी परिणाल का कार्यवाही केवल 22 कर्मचारी के विषय अग्रवाल है सत्र प्रती भुगनात करने को मांग रही है।



श्री नरेश कुमार सोनवानी वार्ड बाँय जिला चिकित्सालय कबीर धाम व प्रथम समय मान वेतन अब तक अप्राप्त है की नियुक्ति आदेश से इन समय वेतनमान आदेश जारी करने की मांग रखी गई है। जिला चिकित्सालय कबीरधाम में आयुष्मान प्रोत्साहन राशि में भेदभाव प

अर्थात् इन भूतान को हो रही है किसी दूसरी कम्पनी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने में इन अनुसार भूतान के संबंध में आज समिति कहती है यह भी जिसका रिपोर्ट समिति को आया है अतः आज रिपोर्ट के प्रति संघ को प्रदान करने को मांग नहीं है। जिस विचारक विचारक कर्मचारियों के अनुपस्थान प्रोत्साहन द्वारा के पारदर्शी विचारक हो विचारक है जो जानकारी अथवा मार को मांग विचारक अधिकारी कर्मचारियों को नहीं जा जा जा कि किसी भी प्रकार को मांग विचारक को स्थिति न हो। अधिकारी संघ मांगो पर समिति द्वारा एक सुपरवाइसिंग अधिकारी द्वारा विचारक मांगो पर अंतरा जा करने एक विचारक कर अंतरा जा करने को अधिकारी जताते हैं है समिति को बैठक में जिस विचारक कर्मचारियों के पारदर्शी अधिकारी कर्मचारियों के अथवा ये जिसमें उत्तमस्तर द्वारा देख्य कर्मचारियों संघ से अथवा इंडिया विला अथवा के नेचुर में परमार्शदाता अधिकारी के समक्ष अधिकारी पर कर सकारात्मक कार्य हुई संघ में अधिकृत उत्तमस्तर द्वारा कर्मचारियों के उत्पन्न प्रोदेज जा अधिकारी के उत्तम स्तर जो जीवनी द्वारा कर्मचारियों के के कर्मकारी द्वारा अधिकारी एक विला अथवा विचारक कर्मचारियों पर है सकारात्मक कर्मचारियों संघ से धीरे धीरे जा एक अधिकारी संस्था में अधिकारी कर्मचारियों उपस्थित हा।

धर्म समाचार....



कंस जिसे हम सभी भगवान श्रीकृष्ण के मामा के रूप में जानते हैं वह राजा उग्रसेन का पुत्र था। कंस के अत्याचारों से सभी नगरवासियों परेशान थे। यहाँ तक कि उनसे अपनी बहन व उसके पति तक को कारागार में डाल दिया था। अंत में कंस का डाल

के रूप में बलराम जी का जन्म हुआ और आठवीं सतांत कृष्ण जी हुए, जो भगवान विष्णु के अवतार थे।

श्रीमद्भगवत महापुराण में एक कथा मिलती है, जिसके अनुसार, देवकी के पहले 6 पुत्रों का संघर्ष कंस के पर्व जन्म से

इन्होंने ब्रह्मा जी का उपहास किया था। जिस कारण इन्हें यह श्राप मिला कि उनका जन्म राक्षस योनि में होगा। अगला जन्म इनका कालनेमि के पुत्रों के रूप में हुआ, जो हिरण्यकश्यप के वंश का ही था। इन 6 पुत्रों ने ब्रह्मा जी के श्राप से मुक्ति पाने के लिए तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर उन्हें इस श्राप से मुक्त कर दिया।

हिरण्यकश्यप ने दिया ये श्राप- लेकिन हिरण्यकश्यप को इस बात पर बहुत क्रोध आया, कि वह राक्षस होकर देव की आपत्तना कैसे कर सकते हैं। तब हिरण्यकश्यप ने इन 6 को यह श्राप दिया कि अगले जन्म में तुम्हारी मृत्यु तुम्हारे ही पिता के हाथों होगी। ऐसे में कालनिर्मक का अगला जन्म कैसे के रूप में हुआ और उसके 6 पुत्रों ने देवकी के गर्भ से जन्म लिया। श्राप के फलस्वरूप कंस ने देवकी के 6 पुत्रों की हत्या कर दी थी।

जितिया व स्तोत्र का

तर्पण किया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, रविवार सितंबर को पावन पर्व जिते हैं। यह पर्व हर साल आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष के अष्टमि तिथि को मनाया जाता है। इस व्रत की शुरुआत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमि तिथि होती है। इस दिन नहाय-खाय होता है। इस शुभ अवसर पर भक्त भोजन ग्रहण करती हैं। अगले दिन यानी नवमी तिथि को व्रत होता है। वहीं, नवविवाहित जोड़े व्रत का आयोजन करना चाहती हैं, तो जितिया व्रत के

जितिया व्रत पर पूजा के समय जरूर करें गोपाल
स्तोत्र का पाठ, संतान सख का मिलेगा वरदान

एक पवित्र पक्ष के दौरान जितिया व्रत मनाया जाता है। इस व्रत को करने से संतान के सुख और भी बढ़ित होती है। साथ ही आयु लंबी होती है। नवयौवकों के अक्सर पर कालाष्टमी के संसक कुण्डमाष्टमी भी होती है। इसके अगले माताओं का ब्राह्म और वैदिक अनुष्ठान, रविवार 14 को पावन पर्व जितिया पर्व हर साल आश्विन कृष्ण पक्ष को आठमी मनाया जाता है। इस अवसर पर आठवीं मास के शुभ की सप्ताही तिथि से शुरू होने लगता-या है इस शुभ अवसर पर निवाहिल महिलाएँ स्नान-ध्यात कर भगवान कुण्ड को पूजा करती हैं। इसके दिन श्राद्ध करते हैं। आठवीं मास के कृष्ण पक्ष को आठमी तिथि पर निवाहिल कर रखती हैं। इसके दिन नवमी तिथि पर पावन किया जाता है। इस व्रत के सुपुत्र-प्राप्त से पुत्र संतान और मेधावी, स्वर्णवर्धक महिलाएँ पुत्र प्राप्ति के लिए भी कर रखती हैं। अगर आयु भी संतान सुख पाना हो, तो जितिया व्रत के दिन पूजा के समय संतान गोपाल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।



